targets for access, participation and achievement for Scheduled Tribes (ST) children.

— Opening of Ashram Schools in Tribal Sub-Plan Areas.

— Setting up of Educational Complexes in Low Literacy Pockets for development of female literacy in tribal areas.

— Provision of incentives such as scholarships, textbooks, hostel facilities, etc.

— Provision of mid-day meals through the National Programme of Nutritional Support to Primary Education.

— Opening of Boy's and Girls' hostels for STs.

— Reservations of seats in Kendriya Vidyalayas and Navodaya Vidyalayas.

— Priority to ST dominated habitations in opening of NFE and Adult Education Centres.

— The District Primary Education Programme (DPEP) has been launched in Dangi and Panchmahal districts of Gujarat which are predominantly tribal districts.

— Preparation of Primers in ST dialect. It includes Dangi of Gujarat.

(c) to (f) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

नवयुग स्कूलों में प्रवेश में अनियमितताएं

4540. **श्री रहसबिहारी बारिक:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मोतीबाग और लोधी रोड स्थित नई दिल्ली नगरपालिका नवयुग स्कूल से आठवीं कक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को अभी तक नौवीं कक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को विद्यार्थियों की प्रभावित हो रही पढ़ाई की जानकारी है क्योंकि शिक्षा सत्र पहली अप्रैल से प्रारंभ हो चुका है;

(ग) क्या पिछले वर्ष तक इन स्कूलों से आठवीं की परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को स्वतः ही पेशवा रोड और सरोजिनी नगर स्थित नवयुग स्कूलों में प्रवेश मिल जाता था; और

(घ) यदि हां, तो इस वर्ष विद्यार्थियों को प्रवेश न दिये जाने के क्या कारण हैं?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) और (ख) नई दिल्ली नगर परिषद द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, मोतीबाग और लोधी रोड स्थित नवयुग विद्यालयों के कक्षा 8 के उत्तीर्ण छात्रों को, विद्यालयों का उन्नयन किए जाने के बाद उन्हीं विद्यालयों में दाखिले दिए गए हैं।

(ग) जी, हां।

(घ) उपर्युक्त भाग (क) तथा (ख) में उल्लिखित तथ्यों को ध्यान में रखकर प्रश्न नहीं उठता।

राजस्थान में नवोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों का उत्पीड़न

4541. **श्री शिव चरण सिंह:** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नवोदय विद्यालयों की स्थापना के लिए निर्धारित लक्ष्य क्या है?

(ख) क्या उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या नवोदय समिति को पिछले दो वर्षों में विशेषकर राजस्थान के नवोदय विद्यालयों में विद्यार्थियों को उत्पीड़ित किये जाने एवं उन्हें घटिया भोजन मुहैया कराने जैसी शिकायतें मिली हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इन शिकायतों को दूर करने, दोषियों को सजा देने और साथ ही प्रबंधन में सुधार लाने हेतु क्या कदम उठाये गए हैं या उठाये जाने का विचार है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) से (ग) नवोदय विद्यालय योजना के मूल में निहित विचार प्रतिभावान ग्रामीण बच्चों को कोटिपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले में एक विद्यालय की स्थापना करने का था। इस विचार को अधिकांशतः मूर्त रूप दे दिया गया है। अब तक 389 विद्यालयों को संस्वीकृत किया जा चुका है। वर्तमान दाखिला आंकड़ों से पता चलता है कि अधिकांश छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से हैं और अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के छात्रों का नामांकन निर्धारित स्तर से काफी ऊपर है। कक्षा 10 और कक्षा 12 में नवोदय विद्यालयों के छात्रों के शैक्षिक परिणाम के॰मा॰शि॰बो॰ के राष्ट्रीय औसत से बेहतर है।

(घ) से (च) पिछले दो वर्षों के दौरान राजस्थान में नवोदय विद्यालयों के संबंध में अलग-अलग स्वरूप की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनकी छानबीन तीव्रता से की गयी और कार्रवाई की गयी। समिति भी विद्यालयों के कार्यकलापों का गहन मानीटरिंग कर रही है।

Reservation Policy of KVS

4542. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that while filling vacancies of different categories of employees, Kendriya Vidyalaya Sangathan divides the total available vacancies as per percentage prescribed for SC, ST and OBC and leaves 50.5% vacancies for unreserved categories;

(b) if so, does it not debar reserve category candidates to get selected from unreserve quota; and

(c) if so, the rationale thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) In the matter of reservation in service the Kendriya Vidyalaya Sangathan follows the general instruction of the Government of India, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pension, applicable to all Central Government employees. There is no bar on candidates from reserved category being selected against general vacancies, based on merit.

Need for Industry-friendly Education

4543. SHRI VEDPRAKASH P. GOYAL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have realised the need for an Industry-friendly education in India in view of the acute shortage of a faculty in the management discipline;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether Government are also reviewing their policy in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) The All India Council for Technical Education (AICTE) has initiated an Institute-Industry interaction scheme for close collaboration between the technical institutions and industries in selected areas of technical education. Interaction with the Industries is maintained for planning, promotion and regulation of technical and management education in the country. The norms and standards laid down by the AICTE for management courses include, *inter alia*, provision of visiting faculty from both the academia and industry having adequate qualification and experience in the specialised branches besides the core faculty to cover the programmes.

Standard of Education in Kendriya Vidyalayas

4544. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the increasing number of students in the classes is adversely affecting the standard of education in the Kendriya Vidyalayas;